अक्षर-अश्विन की फिरकी में फँसी इंग्लिश टीम भारत ने रिकॉर्ड जीत से सीरीज बराबर की

चेन्नई (एजेंसियां)।

अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन ने मनमाफिक परिस्थितियों में इंग्लैंड को अपने स्पिन जाल में फंसाकर भारत को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां चौथे दिन ही 317 रन से रिकार्ड जीत दिलायी जिससे चार मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गयी। भारत ने इस जीत से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इससे वह चैंपियनशिप तालिका में न्यूजीलैंड के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत को जून में लार्ड्स में होने वाले फाइनल में खेलने के लिये सीरीज में अब कम से कम 2-1 से जीत दर्ज करनी होगी। बायें हाथ के स्पिनर पटेल ने 60 रन देकर पांच विकेट लिये। वह नौवें भारतीय हैं जिन्होंने अपने पदार्पण मैच में पांच विकेट लिये। भारत की दूसरी पारी में शतक जड़ने वाले ऑफ स्पिनर अश्विन ने 53 रन देकर तीन विकेट हासिल किये जबकि बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव (25 रन देकर दो) ने बाकी बचे दो विकेट लिये। इससे इंग्लैंड की टीम 482 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन लंच के कुछ देर बाद 164 रन पर ढेर हो गयी। भारत की यह रनों के लिहाज से पांचवीं बड़ी जीत है। इंग्लैंड के खिलाफ उसने अपनी अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इससे पहले उसने 1986 में लीड्स में 279 रन से जीत हासिल की थी। भारत ने अपनी सबसे बड़ी छह जीत में से पांच जीत विराट कोहली की अगुवाई में दर्ज की हैं। इंग्लैंड ने सुबह तीन विकेट पर 53 रन से आगे खेलना शुरू किया। उसके बल्लेबाज शुरू से भारतीय स्पिनरों की बलखाती गेंदों पर चकमा खाते रहे। मोईन अली ने अंतिम क्षणों में तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करके 18 गेंदों पर 43 रन बनाये और भारत को टेस्ट मैचों की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने से रोका। कुलदीप ने उन्हें स्टंप आउट कराकर इंग्लैंड की पारी का अंत किया।

उनके अलावा इंग्लैंड के कप्तान जो रूट (92 गेंदों पर 33 रन) ही एकमात्र ऐसे बल्लेबाज थे जो स्पिनरों को थोड़ा आत्मविश्वास के साथ खेल पाये। वह लंच से ठीक पहले पवेलियन लौट जाते लेकिन मोहम्मद सिराज ने कुलदीप की गेंद पर उनका आसान कैच टपका दिया। लंच के तुरंत बाद बाद हालांकि पटेल ने उन्हें स्लिप में कैच देने के लिये मजबूर किया। इसके बाद मोईन ने पांच छक्के लगाकर हार का अंतर कम किया लेकिन इंग्लैंड की हार की इबारत मैच के दूसरे दिन ही लिख दी गयी थी जब उसकी टीम भारत के 329 रन के जवाब में 134 रन पर आउट हो गयी थी। भारत ने दूसरी पारी में 282 रन बनाकर बड़ी जीत सुनिश्चित की थी। इंग्लैंड चौथे दिन थोड़ा भी संघर्ष नहीं कर पाया। स्थानीय खिलाड़ी अश्विन ने दिन की अपनी पहली गेंद पर ही डैन लॉरेन्स (26) को पवेलियन की राह दिखायी। ऋषभ पंत ने बड़ी खूबसूरती से उन्हें स्टंप आउट किया। अमूमन आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले बेन स्टोक्स ने रक्षात्मक रवैया अपनाया। उन्होंने अश्विन की गेंद पर आउट होने से पहले 51 गेंदों पर आठ रन बनाये। अत्याधिक रक्षात्मक रवैया अपनाने के कारण अश्विन की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर हवा में उछल गयी और विराट कोहली ने आगे डाइव लगाकर उसे कैच कर दिया। ओली पोप (12) ने पटेल की गेंद पर स्लॉग स्वीप करके इशांत शर्मा को कैच का अभ्यास कराया। फॉक्स ने लंच से ठीक पहले कुलदीप की गेंद पर गलत टाइमिंग से स्वीप शॉट खेला जिसे पटेल ने आसानी से कैच में बदला। पटेल ने लंच के बाद रूट और ओली स्टोन को आउट करके पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया। इंग्लैंड ने इसी स्थान पर पहला मैच 227 रन से जीता था। अगले दोनों मैच अहमदाबाद के सरदार पटेल मोटेरा स्टेडियम में खेले जाएंगे। तीसरा टेस्ट 24 फरवरी से शुरू होगा।

रनों के मामले में भारत की पांचवीं सबसे बड़ी टेस्ट जीत

भारत की आज मिली जीत रनों के लिहाज से अपने टेस्ट इतिहास की पांचवीं सबसे बड़ी टेस्ट जीत हासिल की। भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 482 रनों का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 164 पर ऑलआउट हो गई और उसे 317 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2015-16 में दिल्ली में खेले गए टेस्ट मुकाबले में 337 रनों से हराया था जो रनों के लिहाज से टेस्ट इतिहास की उसकी सबसे बड़ी जीत है। इसके अलावा 2016-17 में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया को 321 रनों से जीत मिली थी जो उसकी दूसरी सबसे बड़ी जीत है।भारत के टेस्ट इतिहास की छह बड़ी जीत में से पांच जीत विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया को मिली है।भारत ने इसके साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ रनों के लिहाज से सबसे बड़ी टेस्ट जीत हासिल की। इससे पहले टीम इंडिया ने लीड्स में 1986 में खेले गए टेस्ट में 279 रनों से जीत हासिल की थी जो उसकी इंग्लैंड के खिलाफ सबसे बड़ी जीत थी। एशिया में रनों के हिसाब से इंग्लैंड की यह सबसे बड़ी हार है। इससे पहले उसे भारत के खिलाफ 2016-17 में विशाखापत्तनम में खेले गए मुकाबले में 246 रनों से हार का सामना करना पड़ा था जो उसकी एशिया में सबसे बड़ी हार थी।

स्कोर बोर्ड

भारत (पहली पारी): 329, **इंग्लैंड (पहली पारी)**134, **भारत (दूसरी पारी)**286, **इंग्लैंड (दूसरी पारी):** कल के 3 विकेट पर 53 रन से आगे-लॉरेंस स्टं. पंत बो. अश्विन 26, रूट कै. रहाणे बो. अक्षर 33, स्टोक्स कै. कोहली बो. अश्विन 8, पोप कै. ईशांत बो. अक्षर 12, फोक्स कै. अक्षर बो. कुलदीप 2, मोईन स्टं. पंत बो. कुलदीप 43, स्टोन पगबाधा अक्षर 0, ब्राड (नाबाद) 5, **अतिरिक्त** 7, **कुल** (54.2 ओवर्स में)164 रन। **विकेट पतन:** 1-17, 2-49, 3-50, 4-66, 5-90, 6-110, 7-116, 8-116, 9-126, 10-164 । **गेंदबाजी** : ईशांत 6-3-13-0, अक्षर 21-5-60-5, अश्विन 18-5-53-3, सिराज 3-1-6-0, कुलदीप 6.2-1-25-2।

भारत ने सभी विभागों में हमें पछाड़ा : रूट

चेन्नई (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ मिली 317 रनों की करारी हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान जोए रूट ने मंगलवार को कहा कि टीम इंडिया ने उनकी टीम को खेल के हर विभाग में पछाड़ा। भारत ने इंग्लैंड को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए दूसरे मुकाबले में हराकर चार मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। रूट ने कहा कि जीत का श्रेय पूरी भारतीय टीम को जाता है। उन्होंने हमें तीन विभागों में पराजित किया। यह हार हमारे लिए सीख लेने वाली है। हमें ऐसे वातावरण में जहां स्पिन गेंदबाजों को फायदा पहुंचता है, उसमें स्कोर करने का रास्ता खोजना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदबाजों को ऐसे माहौल में बल्लेबाज पर दबाव बनाना सीखना होगा। हमें एक ही बल्लेबाज को छह गेंदें खेलानी होंगी। पहले दिन हमने थोड़ा बेहतर खेला और उन्हें आसानी से रन नहीं बनाने दिए। दूसरे दिन इस पिच पर बल्लेबाजी करना मुश्किल था।

कार्यालय कलेक्टर जिला बैतूल एवं समुचित सरकार, मध्यपदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक-39 अ-82/2021/आखतवाड़ा/ 1404 बैतूल, दिनांक :-29/30-1-2021

प्रारंभिक अधिसूचना

चूंकि, समुचित सरकार को सह प्रतीत होता है कि संलग्न अनुसूची क्रमांक -1 के कालम (1) से (4) में वर्णित भूमि की, की अनुसूची के कालम (6) में वर्णित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है या आवश्यकता होने की संभावना है, भूमि अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापना में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्रमांक 30 सन 2013) की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार एतद् द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि समुचित सरकार इसके द्वारा अनुसूची के कालम (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में अधिनियम 2013 की धारा 12 के द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

अनुसूची-1

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित रकबा लगभग क्षेत्रफल (है. में)	धारा 12 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6
बैतूल (म.प्र.)	बैतूल	आखतवाड़ा	16.367	कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग क्रमांक-2 बैतूल	गढ़ा मध्यम सिंचाई परियोजना

अनुसूची-2
(प्रभावित धारकों की सूची)

सं. क्र.	भूमिस्वामी का नाम	खसरा क्रमांक	कुल रकवा (है. में)	अर्जित भूमि का रकवा (है. में)
1	2	3	4	5
1	गोविंद पिता पाण्डू पवार सा. देह	2/1	0.546	0.546
2	मोहन पिता कन्हई पवार सा. देह	2/2	0.547	0.547
		16/6	0.102	0.102
3	लखन पिता पाण्डू सा. देह भूमि स्वामी	2/3	0.547	0.547
		2/6	2.188	1.590
		16/3	0.303	0.303
4	सायूब पिता बाबू पवार सा. देह भूमि स्वामी	2/4	0.274	0.274
		2/9	1.093	0.561
		16/1	0.151	0.151
5	राजू पिता गोंविद पवार सा. देह भूमि स्वामी	2/7	1.094	0.469
		16/7	0.152	0.152
6	सुनीता बेवा गोरेलाल मुकेश सतीश पिता गोरेलाल पावर सा. देह भूमि स्वामी	2/5	0.274	0.274
		2/8	1.094	0.519
		16/2	0.515	0.515
7	प्यारे पिता कन्हई पवार सा. देह भूमि स्वामी	2/10	0.458	0.458
		2/14	0.458	0.200
		16/4	0.101	0.101
8	गज्जू पिता कन्हई पवार सा. देह भूमि स्वामी	2/11	0.458	0.458
		16/5	0.101	0.101
9	सरेज रॉव पि गोविन्द उर्फ गोदाराम पवार सा. देह भूमि स्वामी	2/15	1.094	0.505
10	शेरसिंह पि अर्जुन सिंह राजपूत सा. देह	15/2	1.214	0.441
11	अर्जुन सिंह पि बुद्धूसिंह राजपूत सा. देह	15/3	2.472	1.579
12	अनीता पि गुलाब राव. सुमन बेवा गुलाब राव, प्रीती पुत्री गुलाब राव अनीश पि गुलाब राव सा. देह भूमि स्वामी	20/1	0.587	0.205
13	हरिराम पि उमराव कुम्बी सा. देह भूमि	20/2	0.229	0.115
14	सरवन पि भभीसन बया बेवा भभीसन उर्मिला ममता पुत्री भभीसन कुन्बी सा. देह भूमि स्वामी	20/3	0.215	0.195
15	उमेश प्रदीप पि श्री राम गीता संगीता पुत्री श्री राम कुन्बी सा. देह भूमि स्वामी	20/7	0.229	0.130
16	नारायण पि उमराव सा. देह भूमि स्वामी	20/10	0.230	0.140
17	सुख दयाल पुत्र शिवचरण सुनार सा. देह	36/1	1.376	0.389
18	नाथूराम वल्द शिवचरण सुनार सा.देह भूमि स्वामी	36/2	1.701	
		30/7	0.605	
19	विजय पुत्र फत्तुलाल सुनार सा.देह भूमि	36/3	0.244	
20	लक्ष्मभी नारायण पुत्र फत्तुलाल सुनार सा.देह भूमि स्वामी	36/4	0.244	
21	सुनील पुत्र फत्तुलाल सुनार सा.देह	36/5	0.244	
22	सुरेंद्र पुत्र फत्तुलाल सुनार सा.देह	36/6	0.244	
23	पारसराम पुत्र सुंदरलाल कलार सा. देह	3/1	0.352	0.052
24	रविशंकर पि रामेश्वर कलार सा. देह भूमि	3/2	2.731	0.381
		3/4	0.971	0.270
25	राजू वल्द गोविन्द पवार सा. देह भूमि	16/7	0.152	0.152
26	सुरेश पि कलीराम	19/1	0.405	2.628
		19/7	0.202	
	घनश्याम पि कलिया	19/2	0.405	
		19/8	0.202	
	रमेश पि कलीराम	19/3	0.405	
		19/9	0.202	
	पीखा पुत्री तुलसीराम	19/4	0.400	
	बुद्धू उर्फ बुधुराम पि तुलसीराम	19/5	0.283	
		19/10	0.587	
	सुधा उर्फ तुलसीराम	19/6	0.891	
	काशी पुत्री शिवराम	19/11	0.032	
27	लक्ष्मीनारायण वल्द गोपाल प्रसाद कलार सा. देह भूमि स्वामी	3/3	5.461	0.419
		15/1	0.809	0.198
28	नन्हूसिंह झनकसिंह पुत्र पदमसिंह सुखी अनीता रेखा पुत्री फूलसिंह राजपूत सा. देह भूमि स्वामी	5	0.446	0.202
29	नाथूराम पुत्र शिवचरण सुनार सा. देह भूमि स्वामी	9/1	0.409	0.103
30	सुख दयाल पुत्र शिवचरण सुनार सा. देह	9/2	0.850	
31	सुरेंद्र वल्द फलूलाल सुनार सा. देह	9/3	0.631	
32	शिवप्रसाद पि. साहबलाल गाडरी सा.देह	14	1.214	0.345
33	सरवन पि भभीषन बाया बेवा भभीषन उर्मिला ममता पुत्री भभीषन कुन्वी सा. देह	20/4	0.602	0.050
	Total		**40.026**	**16.367**

1- चूंकि गढ़ा मध्यम सिंचाई परियोजना हेतु, हितबद्ध व्यक्तियों की भूमि अर्जन हेतु प्रस्तावित है, जिससे कोई भी व्यक्ति का विस्थापन नहीं हो रहा है। धारा 11 की उपधारा (3) के तहत सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश समिति द्वारा तैयार किया गया है, जिसका प्रकाशन पृथक से समुचित सरकार की वेबसाईट, स्थानीय स्तर तथा स्थानीय दो समाचार पत्रों में किए जाने हेतु कार्यवाही की जा रही है।

2- भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, अनुविभागीय अधिकारी (रा) बैतूल के कार्यालय में किया जा सकता है।

3- कोई भी व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से उक्त अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने के समय प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का, कलेक्टर (भूमि अर्जन) बैतूल की अनुमति के बिना कोई संव्यवहार नहीं करेगा/ कराएगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगमन सृजित नहीं करेगा।

4- समुचित सरकार की वेबसाईट www.betul.nic.in पर भी अपलोड किया गया है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

राकेश सिंह
कलेक्टर बैतूल एवं समुचित सरकार
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

जी-18984/20

पदार्पण टेस्ट में 5 विकेट लेने वाले छठे भारतीय स्पिनर बने अक्षर पटेल

चेन्नई (एजेंसियां)। लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल अपने पदार्पण टेस्ट में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले छठे भारतीय स्पिनर बन गए हैं। पटेल ने यहां दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन मंगलवार को दूसरी पारी में 60 रन देकर पांच विकेट चटकाए। पटेल से पहले, पांच भारतीय स्पिनर अपने पदार्पण टेस्ट में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने की उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। भारत के लिए अपने पदार्पण टेस्ट में पांच विकेट लेने वाले सबसे पहले स्पिनर वीवी कुमार थे, जिन्होंने 1960/61 में दिल्ली में पाकिस्तान के खिलाफ 64 रन देकर पांच विकेट लिए थे। उनके बाद दिलीप दोशी ने 1979/80 में चेन्नई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 103 रन देकर छह विकेट अपने नाम किए थे। नरेंद्र हिरवानी ने 1987/88 में चेन्नई में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में 61 रन देकर आठ विकेट और दूसरी पारी में 75 रन देकर आठ विकेट झटके थे। वहीं, अमित मिश्रा ने 2008/09 में मोहाली में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 71 रन पर पांच विकेट चटकाए थे। स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी अपने पदार्पण टेस्ट में पांच हासिल कर चुके हैं। अश्विन ने यह कारनामा 2011/12 में दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ 47 रन देकर छह विकेट लिए थे।

जोकोविच-करातसेव, सेरेना-ओसाका आस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में

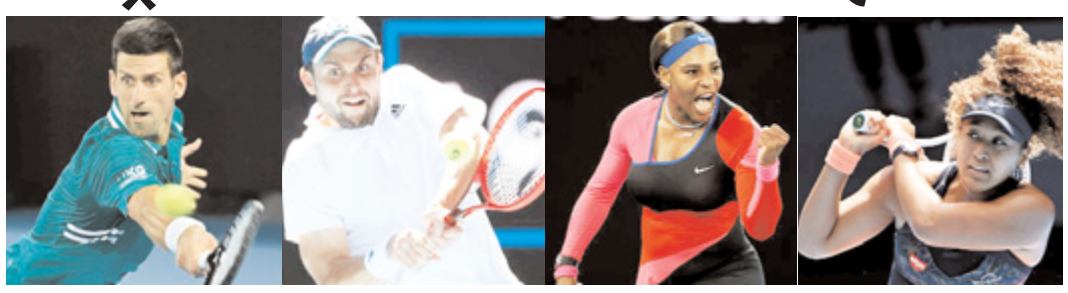

मेलबर्न (एजेंसियां)।

विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी और आठ बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच और रूस के क्वालीफायर असलान करातसेव आस्ट्रेलियन ओपन में मंगलवार को आस्ट्रेलिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए, जबकि महिला वर्ग में जापान की नाओमी ओसाका और अमेरिका की सेरेना विलियम्स ने भी अंतिम चार में प्रवेश कर लिया।

जोकोविच को छठी वरीयता के जर्मन खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेवा से कड़ी चुनौती मिली। चार सेटों के मुकाबले में जोकोविच ने साढ़े तीन घंटे चले मुकाबले में 6-7,6-2, 6-4, 7-6 से जीत दर्ज की। जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेक में गंवाया, फिर वापसी करते हुए सर्बियाई खिलाड़ी अगले दो सेट जीतकर बढ़त बना ली। चौथे सेट में ज्वेरेवा ने फिर कड़ी टक्कर दी और यह सेट टाई ब्रेक तक गया, जोकोविच ने यह सेट 8-6 से जीतकर जर्मन खिलाड़ी को बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं इससे पहले खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच में असलान करातसेव ने बुल्गारिया के ग्रिगर दिमित्रोव को 2-6, 6-4, 6-1, 6-2 से हराकर पहली बार ग्रैंडस्लेम के सेमीफाइनल में स्थान बनाया वहीं महला वर्ग के पहले क्वार्टर फाइनल मैच में सेरेना विलियम्स ने दूसरी वरीयता की रोमानियाई खिलाड़ी सिमोना हाले को आसानी से 6-3, 6-3 से पराति किया। जबकि विश्व की नम्बर जापान की ओसाका ने चीनी ताईपी की सुवेई हसिए को एक घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर सेमीपुाइनल में जगह बनाई।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए भारत फिर नम्बर-2 हुआ इंग्लैंड चौथे पर खिसका

चेन्नई (एजेंसियां)।

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 317 रनों से हराने के बाद भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। भारत अब डब्ल्यूटीसी की अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड चौथे स्थान पर खिसक गया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल जून में लॉर्डस में खेला जाएगा।

एमए चिदंबरम स्टेडियम में मिली जीत के बाद भारत के अब 69.7 प्रतिशत अंक हो गए हैं और वह डब्ल्यूटीसी की अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत अब तक 10 टेस्ट मैच जीते हैं जबकि चार हारे हैं और एक मैच ड्रॉ रहा है। न्यूजीलैंड 70.0 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी की अंकतालिका में टॉप पर मौजूद है और वह पहले ही डब्ल्यूटीसी के फाइनल में प्रवेश कर चुकी है। आस्ट्रेलिया 69.2 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। वहीं, भारत के हाथों दूसरे टेस्ट में मिली हार के बाद इंग्लैंड अब चौथे नंबर पर खिसक गया है और उसके 67.0 अंक है। इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में हराने के बाद भारत ने चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। भारत अब अगर चार मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड को 2-1 से या 3-1 से हरा देती है तो वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंच जाएगी। इंग्लैंड अगर भारत को 3-1 से हरा देती है तो इंग्लैंड की टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच जाएगी। हालांकि इंग्लैंड अगर भारत को 2-1 से भी हरा देती है तो आस्ट्रेलिया फाइनल में पहुंच जाएगी। लेकिन इंग्लैंड और भारत के बीच चार मैचों की यह टेस्ट सीरीज 1-1 या 2-2 से ड्रॉ होती है, तो आस्ट्रेलिया डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंच जाएगी और न्यूजीलैंड के साथ फाइनल खेलेगी।

हॉकी गोलकीपर के लिए छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिवपुरी में प्रारंभ

भोपाल(काप्र)। खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया की पहल पर शिवपुरी में सोमवार से गोलकीपर का विशेष प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ जिसका 20 फरवरी, 2021 को समापन होगा। प्रशिक्षण शिविर में एशियन गोल्ड मेडलिस्ट एवं हॉकी गोलकीपिंग विशेषज्ञ बलजीत सिंह सैनी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों के 24 बालक एवं बालिका गोलकीपर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में हॉकी ओलम्पियन, अर्जुन एवं द्रोणाचार्य अवार्डी मध्य प्रदेश पुरूष हॉकी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक राजिन्दर सिंह एवं एनआईएस कोच बिट्टु सिगरोहा, ललित शर्मा, उमेश चन्द्र एवं श्रीमती गीता लखेरा भी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे।खेल मंत्री की पहल पर आयोजित छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण में ग्वालियर, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, इंदौर, होशंगाबाद, सिवनी, मंदसौर एवं शिवपुरी जिले के 11 बालक एवं 13 बालिकाएं गोलकीपर खिलाड़ी हॉकी गोलकीपिंग विशेषज्ञ बलजीत सिंह सैनी से गोलकीपिंग की बारीकियां सीख रहे हैं।

चेल्सी और वेस्ट हैम जीत से शीर्ष पांच में

लंदन (एजेंसियां)। चेल्सी और वेस्ट हैम ने अपने अपने मैच जीतकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शीर्ष पांच में स्थान बनाकर चैंपियन्स लीग के लिये क्वालीफाई करने की अपनी कवायद जारी रखी। चेल्सी ने न्यूकास्टल को 2-0 से जबकि वेस्ट हैम ने शैफील्ड यूनाईटेड को 3-0 से हराया। इन दोनों टीमों के अब 24 मैचों में समान 42 अंक हैं लेकिन चेल्सी गोल अंतर के कारण चौथे स्थान पर है। दोनों टीमें शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से 11 अंक पीछे हैं। चेल्सी ने अपने दोनों गोल पहले हाफ में किये और इसे आखिर तक बरकरार रखा। ओलिवर गिरोड ने 31वें मिनट में टीम को बढ़त दिलायी जबकि टिमो वर्नर ने 39वें मिनट में उसे दोगुना किया।